हमहू जाइब कुशेश्वरस्थान

मैथिली मे पहिल इ-पेपर

भ्रष्टाचारक खिलाफ जंगक एलान

समाद

● पटना, 20 फरवरी, 2009 ● साप्ताहिक ● अंक- 23 ● साल-2 ● इनटरनेट संस्करण

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपन विकास यात्रा पर छथि। चंपारण स शुरू भेल हुनक ई यात्रा मिथिलाक पूर्वी छोड़ तक पहुंच चुकल अछि। एहि दौरान बेगूसरायक एकटा गाम इतिहासक गवाह बनल। स्वतंत्र भारतक कोनो राज्य मे पहिल बेर राज्य मंत्रिमंडलक बैठक कोनो गाम मे संपन्न भेल। 'समाद' क टीम मुख्यमंत्रीक संग-संग चलबाक प्रयास केलक। बगहा स पूर्णियाक तक केहन रहल मुख्यमंत्रीक आम लोकजन स संवाद एकरा पर रिपोर्टाज प्रस्तुत करि रहल छथि *प्रीतिलता मल्लिक, पुतुल सिंह, छाया मिश्र, ममता शंकर आओर गिन्नी सिंह ठाकुर।*

उगना बनलाह नीतीश

गाम-गाम घुमलाह सरकार, कहलथि- हम रहब या भ्रष्टाचार

भोर अलसियाइल छल। सूर्य कुहासक चादर मे नुकाइल छल। पूरा गाम सुतल छल। एहि समाज कए जगेबा लेल आइ स बरखो पहिने महात्मा गांधी आइल छलाह। आइ फरे एहि समाज के जगेबा प्रयास भ रहल अछि। विकास यात्राक पहिल प्रवासक दौरान मुख्यमंत्री चंपारणक सुतल समाज कए जगेबा लेल भोरे-भोर निकलि गेलाह। उज्जर पजामा आ कुर्ता धारण केने मुख्यमंत्रीक पैरक चाप हुनक कैंप मे सुतल कोनो अधिकारी या मंत्रीक नींद नहि तोड़ि सकल। खेतक आड़ि पर चलैत-चलैत मुख्यमंत्री टोलक दुहारि पर पहुंच गेलाह। हुनकर चाप क पहिल गूंज अपन घरक बाहर गणितक पाठ पढ़ैत कविता सुनलक। उज्जर चादर मे लिपटल सरकार कए अपन सामने देखि ओ अबाक छल। पाछु ठार ओकर माइ त चिन्हबाक प्रयासे क रहल छल कि कविताक मुंह स निकलि गेल नीतीश सर। पूरा गाम स्तब्ध। नीतीश अपन यात्रा जारी रखलाह, दोसर चरण मे मिथिलाक गाम कमलपुर आ धकजरी। नीतीश अर्थात महादेव, एक बेर फेर मिथिलाक धरती पर सेवक बनबाक गुहार करैत भेटलाह। जय-जयकार क बीच सब स बस एतबा कहैत रहलाह जे हम एहि ठाम अहांक कष्ट बुझबा लेल आइल छी। हम अहांक राजा या अधिकारी नहि, मात्र सेवक छी। महादेव फेर उगनाक भूमिका मे। मिथिला फेर धन्य भेल। तेसर चरण तेसर किरिया सन छल अर्थात 'तीसरी कसम' वसुंधराक ओ मलीन आंचरि (भ्रष्टाचार आ अपराध), जेकर सूचिता लेल पहुंचलाह नीतीश। एक-एक क्षण अपन राज्यक जनताक बीच बीतेबाक हुनक लालसा देखि सब गौरवान्वित छल। यात्रा जारी अछि...

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कए घर क दालान पर भोरे-भोर देखि शुरू-शुरू मे त धीया सब सकुचेली, मुदा मुख्यमंत्री क पहल पर ओ स्कूल क स्थिति बयां करबा स नहि चुकलीं। अहां सब पढ़बा लेल स्कूल जाइत छी की नहि? जवाब मे हां सुन कए दोसर सवाल, साइकिल भेटल? धीया कहलथि- नहीं, मुदा खाता खुलि गेल अछि। विकास यात्रा क पहिल चरण मे मुख्यमंत्री लेल पहिल अनुभव किछु एहने रहल। मुख्यमंत्री गांमक जायजा लेबा लेल आगू बढ़लाह त पवन अपन दुकान पर चाह बेच रहल छ्ल। मुख्यमंत्री कए देख सकपका गेल। की नाम छी? उत्तर में लटपटाइत कहलक- पवन। इ पकौरी केना छ। पवन मुख्यमंत्री कए जिज्ञासा देखि दंग छ्ल, कहलक ओना त दू टका मुदा अहां लेल की दाम सरकार, चखियउ ने। मुख्यमंत्री ओकर सत्कार देखि प्रसंन्न भेला, कहलथि- रहय द एखन त टहलबा लेल निकलल छी,कोनो दिक्कत छ त बताबू। पवन कहलक जे कोनो दिक्कत नहि अछि सरकार। पवनक भाव पर मुस्कुरा नीतीश आगू बढ़ि गेलाह। बाट पर एकटा बुजुर्ग भेटलथि ओ डीएम, एसपी आ बीडीओ कए बदलबाक सलाह दैत कई टा समस्या मुख्यमंत्रीक सामने राखि देलथि। मुख्यमंत्री हुनकर पूरा गप सुनलाक बाद आश्वासन द आगू बढ़ि गेलाह। पांच हजार क आबादीवाला एहि टोला मे मुख्यमंत्री एक बेर फेर अपन घरक आगू मे पढ़ैत खुशबू लग रुकलाह, पूछ्लथि, स्कूल जाइत छी? उत्तर भेटल, चिल्ड्रेन स्कूल। एतबा में बीडीओ अजय कुमार मुख्यमंत्री लग पहुंच चुकल छ्लाह। मुख्यमंत्री हुनका स मुखातिब होइत पूछ्लथि- एहि ठाम सरकारी स्कूल नहि छैक? जवाब भेटल- हां छैक, मुदा, बीडीओ साहब क चेहरा अगिले पल उतरि गेला, जखन गाम एकटा युवक उदय कहलक जे एहिठाम शिक्षक नहि अबैत छथि। मुख्यमंत्री कहला जे शिक्षा समिति की करि रहल

फेर पूछ्लथि, कतेक निक नाम अछि, कोनो दिक्कत। रामपरी कहलथि- बाबू किछु नहि भेटैत अछि। संग चलि रहथि मुखिया शीतल झा स्तब्ध भ गेलाह। थरथराइत, लटपटाइत आवाज मे कहलथि, बीपीएल मे नाम छै हुजूर। मुख्यमंत्री क प्रतिक्रिया रहल- केवल नाम रहला स नहि होइत, किछु देबो करियउन। फेर पूछ्लथि बीडीओ कतय छथि? बीडीओ कनि पाछु रहि गेल छ्लाह। सीएम कहलाह, कतय पाछु घुसल रहैत छी? डीएम साहब क पीठ पर रहू। भीड़ मे चलैय मे दिक्कत होइत अछि की? एकदम डीएम साहब क संग चलू। की नाम अछि अहांक। ठंड मे पसीना स नहा चुकल बीडीओ कहलाह, सर! अजय कुमार।

आगू बढ़ला त गणेश ठाकुर भेटलाह । डीलर क शिकायत भेल। मुख्यमंत्री एकटा धीया के पुचकारैत कहलाह -लक्ष्मी होइत छथि बेटी। ठीक स पढ़ाउ-लिखाउ। आगू बढ़लाह, त दुखक साया सेहो संग चलल। जेतबा मुंह ओतबे दुख। सब कोई अपन पीड़ा पहिने रखबा लेल आतुर। ककरो पेंशन नहि भेटबाक दुख, त ककरो बीपीएल मे नाम नहि जुड़बाक दुख। एकटा पुरान इंदिरा आवास कए देखि नीतीश कहलाह, इ अधूरा किया अछि। कहियाक अछि, नव त नहि लगैत अछि। पहिने हजाम टोला फेर हरिजन टोला। आक्सीजन बनबैय वाला कंपनी मे काज करैत छ्ल राजेश राम। दुर्घटना मे विकलांग भ गेल। मुख्यमंत्री राजेश के देख बीडीओ, डीएम दिस तकलाह, फेर कहलाह, नव स्कीम लागू अछि-प्रवासी मजदूर राहत योजना क तहत हिनकर मदद करू। कहलाह, बीडीओ सरकार क प्रतिनिधि होइत अछि। आंखि खोलू आओर सब पर नजर राखू अजय जी। जनता क दुख-दर्द क साया संग-संग चलैत रहल। फिर एकटा और विकलांग सरजू राम राहत क याचना केलथि। बीडीओ फेर तलब भेलथि। 'सरकार' कहलथि जे एहन प्रवासी मजदूर

अछि, मुखिया कतय सुतल छथि। अभिभावक क समिति किया बनल अछि। स्कूल कए देखबा लेल कि पटना स अधिकारी पढ़ाउल जाइत? विद्यालय समिति क गठन एकरे निगरानी लेल केल गेल अछि। स्कूल के निर्माण क सेहो जिम्मेदारी समिति कए देल गेल अछि, ताकि गाम क काज एहि ठामक लोक क निगरानी मे भ सके। अहां सब देखू आ अपने स्तर पर दुरुस्त करू। एतबा मे शिक्षा मंत्री हरिनारायण सिंह पहुंचलाह। मुख्यमंत्री कहलथि, देखू शिक्षा मंत्री जी, अहांक विभागक मामला अछि।

सीतामढ़ी स चलिकए मुख्यमंत्री क काफिला बेनीपट्टी प्रखंड के धकजरी हाई स्कूल कैम्प पहुंचल। अपन स्विस काटेज मे राति बितेलाक बाद सफेद कुर्ता पैजामा व उजला शाल मे मुख्यमंत्री एक बेर फेर टहलबा लेल निकलाह। सवा आठ बजे क बाद गांव क सैर क लेल काटेज स सीएम निकललाह त सबस पहिने मोदी जी कए तकलाह, पता चलल ओ नाश्ता करि रहल छथि। कहलाह, हुनका नाश्ता करय दियउन। फेर कहलाह, प्रभारी मंत्री जी कतय छथि? पता चलल ओ तैयार भ रहल छथि। अंततः ओ असगरे आगू बढ़ि गेलथि। हुनक पाछु किछु अधिकारी आ खसैत-परैत टीवी क चैनलक कैमरा मैन। मुख्यमंत्री कहलथि, भाई, धीरे चलू। मुख्यमंत्री क डेग एहन तेज जे पाछु चलि रहल अधिकारी किछु दूर जा हांफय लगलाह। मुख्यमंत्री अपन डेग स इ कहबाक प्रयास कए रहल छलाह जे ओ राज्य मे विकासक किछु एहने गति चाहैत छथि, मुदा अधिकारी तैयार नहि भ रहल छथि। मुख्यमंत्रीक गति स ओ हांफय लगलाह। मुख्यमंत्री हुनक चालि स संतुष्ट नहि छथि ओ कहलाह, डीम साहब किछु तेज चलू नहि त पाछु रहि जाइब, हम अहां लेल नहि रुकब।

धकजरी हरिजन टोला क ओर बढ़ला त बाट मे हजाम टोला मे सबसे पहिने रामपरी देवी भेटलथि। खाटी मैथिली मे सीएम हुनका स पूछलथि, की नाम अछि अहां कए..उत्तर भेटल, रामपरी देवी। क सूची बनाउ। सबकए नव योजना क लाभ भेटबाक चाही।

दुलारी देवी कए दुख छल जे हुनका पेंशन नहि भेटैत अछि। भेटैत अछि त डाक बाबू काटि कए दैत छथि। कनि कालक यात्रा मे सब दिस स किछु न किछु दर्द सुनबा स नीतीश कए आभास भ गेल जे दुखक मूल में भ्रटाचार अछि। हुनक डेग छोट भ गेल छल। धीरे-धीरे आगू बढ़ैत मुख्यमंत्री, लोक कए बुझबैत, हुनकर दुख बांटैत। पाछु-पाछु पत्रकार आओर 'सरकार' क सरकार अर्थात जनता।

मुख्यमंत्री आगू बढ़ला। ओ छत पर बैसल एकटा बच्चा स पूछला- की नाम छह। बच्चा कहलक रामकिशुन राम। अहां पढ़ैत छी। जी, बच्चा अपन मां कए कहलक- इ सरकार हथिन, इनका कहुन । ओकर माइ सखमीनिया देवी कहलक- एको धूर जमीन नहि अछि सरकार, नाम बीपीएल मे नहि दर्ज भ सकल अछि, अनाज आ मटियातेल नहिं मिलल अछि। लग मे ठार मुखियाजी शीतल झा विरोध करैत छथि। ओ कहैत छथि- 'सब मिल गया है सरकार'। सीएम आश्चर्य स पूछैत छथि- मुखिया जी अहां जे कहि रहल छी, ओकर ठीक उलटा इ महिला कह रहल छथि। जनता हमरा सामने झूठ नहि बाजि सकैत अछि। मुदा अहांक हिम्मतक लोहा मानैत छी जे हमर आगू अहां एहन झूठ बजबा से बाज नहि एलहूं। डीएम कए गांव मे कैंप लगेबाक निर्देश द मुख्यमंत्री पूर्व दिशा मे बसल टोल दिस विदा भ गेला। एतबा में दक्षिण टोलक लोग हंगामा शुरू करि देलक। मुख्यमंत्री कए अपना टोल नहि अबैत देखि सब मुख्य सड़क कए जाम करि देलक आ नारेबाजी शुरू भ गेल। मुखिया-बीडीओ लोक कए शांत करबाक प्रयास मे छलाह कि लोकक बीच स एकटा आवाज सुलन गेल-'अरे भाइ समस्या हमरा कहू।' आवाज मुख्यमंत्रीक छल। अपन बीच नीतीश कए देखि सबहक मुंह क नारा बदलि गेल। नीतीश जिंदाबाद क गूंज दूर गाम तक सुनल गेल। नीतीश आगू बढ़ि गेलाह...

हमहू जाइब कुशेश्वरस्थान

सड़कक बहाना बना डीएम नहि पूरा केलथि सीएमक इच्छा

सरिता सुमन

कमलपुर (दरभंगा)। ओहि दिन भोरे आसन-व्यायाम क बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पूरा मूड मे छलाह। पहिने रौद पर चर्चा भेल, फेर अखबार पढ़बाक संग-संग राजनीतिक धूप-छांव पर। कहलथि, एहन रौद विकास यात्रा क क्रम मे पहिल बेर निकलल अछि। एहि बीच डीएम अरुण प्रसाद आ एसपी पंकज दाराद पहुंचलाह। गप दही आ मैथिली पर सेहो भेल, एमएलसी संजय झा आ विनोद चौधरी एकर विस्तार स चर्चा केलथि। एहि क्रम में कुशेश्वरस्थानक चर्चा भेल।

मुख्यमंत्री कुशेश्वरस्थान जेबाक इच्छा प्रकट केलथि। ओ प्रवासी पक्षी कए देखबा लेल व्यग्र भ गेलाह। डीएम आ एसपी ने सड़क खराब हेबाक गप कहि ओहि ठाम नहि जेबा लेल अनुरोध केलथि। मुख्यमंत्री कहलथि, सड़क खराब छई त कि लोक नहि जाइत छैक, सब जाइत छैक त हमहू जाइब। कहू केतबा काल लागत ? अधिकारी कहलथि-कम स कम दू घंटा आओर फेर जनता दरबार मे देर भ जाइत सर। प्रोग्राम स्थगित भ गेल। ओना, मुख्यमंत्री डीएम स पूछलथि- कुशेश्वर स्थान क विकास क लेल कोनो योजना अहां बनेलहू अछि, ओहि ठाम प्रवासी पक्षी बहुत अबैत अछि। डीएम कोनो संतोषजनक उत्तर नहि द सकलाह। मुख्यमंत्री अपन सचिव एस सिद्धार्थ कए वन विभाग क अधिकारी कए बजेबा लेल कहलथि संगहि डीएम के आदेश देलथि जे जिलाक विकास करबाक जिम्मेदारी हुनके पर अछि। एहन उत्तर आगू स नहि सुनय चाहैत छी। एतबा कहि अपने मार्निंग वाक पर निकलबा लेल तैयार होइ लेल चल गेलाह।

सैर पर निकललाह त लोक क हुजूम संग भ गेल। आधा किलोमीटर क दूरी पर सबस पहिने नवटोल मे एकटा महिला इंदिरा आवास नहि भेटबाक आ मुखिया द्वारा घूस मांगबाक शिकायत केलक। बीडीओ तलब भेलाह। बताउल गेल जे प्रतीक्षा सूची मे नाम छै। सीएम आगू बढ़ला त जयश्री पासवान क बेटा चंदन आ रूपेश मदद मांगलक। मुख्यमंत्री पूछलाह जे एहि टोला मे कतेक विकलांग छैक? एसडीओ शमीम अहमद कहला जे आसपास क पंचायत सब कए मिलाकए 300 स बेसी। मुख्यमंत्री सबकए समर्थ योजना क लाभ देबाक निर्देश देलथि। डीएम स कहल गेल जे एहि कार्यक्रम क बाद ओ फेर आबि कए एहि ठामक समस्याक निराकरण करथि।

सरकारक गुणगाण सुनी डीएम स कहला मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

किछु समस्याओ सुनबाउ

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आइ किछु पालिटिकल मूड मे छलाह। अखबार मे प्रकाशित एकटा खबरि पर चर्चा करैत पहिने भोला बाबू क दिस, फेर पत्रकार दिस मुखातिब हुइत, कहलथि-की स्थिति भ गेल? युवा कांग्रेस कए अध्यक्ष क तलाश करैय पड़ि रहल छैक। अखबार वाला सेहो खूब मजा लैत अछि। फेर, भोला बाबू क दिस दैखत लोकसभा क पटना साहिब सीट पर कई दावेदार सामने एबाक धीरे स चर्चा केलथि। एकरा बाद चर्चा राति क सांस्कृतिक कार्यक्रम पर भेल। मुख्यमंत्री कहलथि- डीएम साहब केकरा-केकरा मंच पर बजा लैत छी। सब अभिनंदन करबा मे लागि जाइत अछि। दरअसल, राति क जनसंवाद मे शुरुआती दौर मे आधा दर्जन स अधिक महिला मंच पर आबि कोनो शिकायत नहि केलथि, सबकुछ भेटबाक चर्चा करैत नीतीशक जय-जयकार केलथि। नीतीश डीएम कए नसीहत देलथि जे भीड़ स एहन आदमी कए सामने लाउ, जेकरा लग सचमुच कए कोनो समस्या होई, शिकायत होइ। एहन चमचागीरी द मंच पर छह दशक स होइते आयल अछि। हमरा इ सब नहि चाही।

हिनक कहब अछि

आशीष झा

अविस्वसनीय, मुदा सच

कहल जाइत अछि भोरक सपना सच होइत अछि, कम-स-कम बिहारक लोक त इ आब मानय लागल अछि। एक-एक करि सबटा सपना पूरा हुए लागल। पटनाक सरकार गाम तक पहुंच गेल। जिलामुख्यालय स दूर भ चुकल गाम एकाएक राज्य सचिवालयक परिसर बनि गेल। बीडीओ से भेंट करबा लेल सदियों स बाट तकैत समाजक दुहारि पर भोरे-भोर खुद 'सरकार' पहुंच गेलाह। बिहार मे जे किछु भ रहल अछि, ओ अविश्वसनीय अछि, मुदा सच अछि। बिहार आइ बीमारू राज्य नहि अछि। बिहार मे आइ सरकार आ जनताक बीच दूरी नहि अछि। बिहार मे आइ शहर आ गाम दूनू सपना देखबा लेल तैयार अछि। विकास लेल छटपटाइट बिहार क जनता लए इ सबस पैघ सकूनक गप अछि जे इ छटपटाहट मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मे सेहो देखबा मे आबि रहल अछि। ओ सहो बिहारक एकटा आम लोक जेका विकास लेल भूखल छथि।

अपने लोकनि कए स्मरण होइत समादक पाचम संस्करणक तेसर पन्ना। 'एकटा रिपोर्ट जे लिख नहि सकलहु' मे पिछला साल समाद इ स्पष्ट कए देने छल जे बिहारक विकास मे सबस पैघ बाधक भ्रष्टाचार अछि। खास कए बीडीओ स्तर पर इ लाईलाज भ चुकल अछि। नीतीश कुमार अपन विकास यात्रा क दौरान इ साफ तौर पर पउलथि जे बिहार मे भ्रष्टाचार क रोग लाईलाज भ चुकल अछि। ओ एकर खिलाफ जंगक एलान कए देलथि अछि। ओना देखि त बिहार मे भ्रष्टाचार कोनो नव नहि अछि। दशकों स इ बिहार कए अपन गिरफ्त मे केने अछि। आइ हमरा इ भयावह एहि कारण स लागि रहल अछि, किया कि बाकी सब या त खत्म भ गेल या फेर कमजोर भ गेल अछि। बिहार स अपराधक संबंध सेहो पुरान अछि। किछु लोक कहैत छथि जे अपराध त एखनो होइत अछि। सवाल अछि अपराध त होइत आ होइत रहत, मुदा अपराध जे फैशन भ गेल छल ओ आब खत्म भ गेल। बिहारी युवा क आदर्श आब ओ अपराधी प्रवृतिक लोक नहि छथि, जिनकर घर आइ-काल्हि जेल भ चुकल अछि। सवाल अछि जे बिहारी युवाक मानस केना बदलल। ओकर आदर्श केना बदलि गेल। इ नहि त कोनो जादू भेल आ नहि कियो टोना केलक। इ एक-एक गोटेक प्रयास अछि। आ सबस पैघ पुनर्जीवित होइबाक लालसा।

पिछला किछु साल मे बिहार मे इ देखबा मे आइल जे शहर स गाम तक जे विचार मे जड़ता आबि गेल छल, ओ खत्म भ रहल अछि।

मौगियो उठेलक विकास क आवाज

धकजरी(मधुबनी) । घर क चौखट स कहियो-कहियो बाहर निकलि जाइवाली गामक मौगियो नीतीशक आगू घोघे तर स मुदा अपन भावना प्रकट करबा स नहि चूकलथि। विकासक मुद्दा पर हुनकर चिंता स मुख्यमंत्री निश्चिंत भेला जे आब बिहारक विकास कए कोई नहि रोकि सकैत अछि। जाहि समाजक महिला विकासक प्रति एतेक गंभीर अछि ओ समाज अवश्य विकास करत। मुख्यमंत्री आ उपमुख्यमंत्री क समक्ष घोटक तौर स बिरौल गांव क शर्मला देवी कहलथि- सरकार, गाम क बहू-बेटी क स्थिति ठीक नहि अछि। एहि गाम मे बिजली,पेयजल और सड़क नहि अछि। धकतरी क नीलम कहलथि जे हुनकर उम्र 35 वर्ष भ गेलनि अछि। ओ एमए पास छथि, मुदा नौकारी नहि भेटल अछि। ओ उच्च जातिक लोकक गरीबीक दिस मुख्यमंत्रीक ध्यान आकृष्ट करबाक प्रयास केलथि। नवटोलक मनडुनया देवी कहलक- घर-घरारी नहि अछि सरकार। जेना-तेना मांगि-चानीकए खा रहल छी। मुदा ओ ईमानदारीपूर्वक कहलथि- मटिया तेल तीन लीटर मिलल रहैय, से बेची कए बच्चाक स्कूलक किताब कीन देलहूं अछि। मुख्यमंत्री गंभीर भ गेलाह। एकटा महिला मुखिया पर आरोप लगबैत कहलक- सरकार, इ मुखिया हमरा किछु नहि दैत अछि। मट्टी तेल सेहो नहि दैत अछि। हमर मदद करू सरकार। सीएम ओकरा लग बजौलथि आ जिलाधिकारी स सरकारी योजना क तहत ओकरा सहायता करबाक निर्देश देलथि।

इ हमर राजनीतिक यात्रा नहि छी, बल्कि इ सरकारी यात्रा छी आओर हम विकास क वास्तविक सूरतेहाल जनबा क उद्देश्य स गाम-गाम पहुंच रहल छी। भ्रष्टाचार क खिलाफ हमर जंग शुरू भ चुकल अछि। आब हम रहब या भ्रष्टाचार।

नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री

नब्ज पर हाथ धरि बटोरलथि ताली

पुपरी (सीतामढ़ी)। इ 'जनता क दरबार मे मुख्यमंत्री'क कार्यक्रम नहि छी। इ सभा छी आ सचमुच जनता क सभा। युवा आदि क तादाद बेसी अछि। युवा क आवाज गूंजि रहल अछि। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कए अपन-अपन व्यथा सुना रहल छथि। कोई हुनका स डिग्री कॉलेजक मांग कए रहल अछि त कियो, खेल-कूद लेल स्टेडियम चाहैत अछि। नीतीश कुमार सभा मे आइल युवा क मिजाज क भांपि चुकल छलाह। कहलाह-'हम बूझि रहल छी जे आब अहां सब कए लाठी नहि, ज्ञान क चाहत अछि।' तालिक गड़गड़ाहट क भीड़ नीतीश वादा केलथि जे सबटा मांग पूरा होइत। हुनकर अंदाज-ए-बयां स साफ छल जे ओ युवा कए ओकर अनुरूप गप कहबाक प्रयास मे लागल छथि। मुख्यमंत्री कहलथि जे बिहारक विकास हमर पीढ़ी नहि केलक आब अहां युवा पीढ़ी स उम्मीद अछि। आउ हमर सपना कए साकार करबा मे हमर मदद करू। मुख्यमंत्रीक एहि संबोधन स युवावर्ग गदगद भ गेल।

अधिकारी वर्ग जे सामज कए 'अपडेट' करबाक काज छोड़ि देने छलाह, ओ बिहार स बाहर गेल मजदूर करय लागल। धीरे-धीरे गाम तक इ गप पहुंच गेल जे हम पछुआ गेलहुं। आन राज्य आगू बढ़ि गेल। इ संदेश पिछला 15 साल स कियो नहि द रहल छल। पूरा बिहार स्थिर छल। ओकरा हकीकत भ चुकल बहुत चीज सपना लगैत छल। चाहे ओ चारि लेनक सड़क हुए या शौपिंग मॉल। एहि बीच जखन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपन विकास यात्रा शुरू केलथि त ठमकल जल जे दूषित भ चुकल छल ओहि मे प्रवाह आइल आ पूरा समाज हुनकर सामने जागृत भ गेल। समाज कए 'अपडेट' करबा मे लागल ओ तमाम लोकनि कए एकटा एहन शक्ति भेटल जेकर आशा कियो नहि केने छल। सवाल इ अछि जे समाज कए 'अपडेट' करैय वाला पहिने नहि छल? पहिने सेहो छल, मुदा हमर-अहांक चारूआत पसरल भ्रष्टाचार रूपी कुसंस्कृति क आगू दबि गेल छल। आब हिनकर संख्या बढ़त आ इ एकटा नव जोश स समाज कए बदलबा मे जुटताह। जखन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हिनका सबहक बीच अएलाह, त पूरा समाज विकास क नव रूप देखलक, समाज मे एकटा नव आश जगल, हम सब विकास क पटरी पर दौड़ लगेबा लेल तैयार हुए लगलहु। लोग-वेद मे सब दिस विकासक चर्चा होए लागल। किछु दिन पहिने क गप अछि, जखन हमर सबहक अपराध, भ्रष्टाचार आ पता नहि कि-कि आओर सुनइ कए भेटैत छल, मुदा आई सब दिस केवल आ केवल विकासक चर्चा सुनबा मे आबि रहल अछि। विकास ओहन, जेकरा लेल हम सब सपना मे सेहो नहि सोचि रहल छलहुं। ओ गाम, जे सड़क स पूरा कटल छल, आई ओ गाम चारि लेनक सड़क से जुड़ि गेल अछि।

पिछला किछु माह स राजनीतिक स्तर पर जे एकजुटता देखबा मे आइल ओकर पाछु सेहो आम जनता छल। लालू, नीतीश आ पासवान आब बिहारक स्तर पर अलग-अलग राग नहि राखि सकैत छथि। जनताक स्पष्ट राय अछि जे राज्यक विकास लेल तीनू नेता एकजुट भ जाउ। आगामी लोकसभा चुनाव मे सेहो इ एकटा प्रमुख मुद्दा बनत। बिहार आब अपन चिंता करैत अछि। बिहार मे नीतीश कुमार अपन नीति स्पष्ट कए चुकल छथि। ओ केंद्र मे राजनीति नहि करताह। ओ पूर्णरूप स बिहार मे राजनीति कए एकटा इतिहास लिखबाक काज केलथि अछि। कहबाक तात्पर्य इ अछि जे बिहार मे राज्य स्तरक नेता आइ धरि राष्ट्रीय राजनीति करैत छल, मुदा आइ राष्ट्रीय स्तर पर राजनीति क चुकल नीतीश कुमार राज्यस्तर पर अपना कए स्थापित कए चुकला अछि। इ बिहार लेल सबस पैघ गप अछि। कनि स्मरण करू बाबूजगजीवन राम कए, जे बिहार स राजनीतिक यात्रा शुरू केलक बाद पंजाब आ हरियाणाक स्तंभ भ गेलाह आ ओहि ठाम 'बाबूजी' नाम स प्रसिद्ध भ गेलाह। बाबूजीक कृपा एहन रहल जे हरियाणा देशक विकसित राज्य बनि गेल। श्रीकृष्ण सिंह स लालू प्रसाद तक सब अपना कए राज्य स बाहर निकालबाक प्रयास मे रहल। इ अलग गप अछि जे किछु अपबाद सब ठाम रहैत छैक। बिहार कए केंद्र मे राखि राजनीति करबाक नीतीश कुमारक नीति हुनका कान नेता स अलग करि रहल अछि। इ कोनो दिस स उपराष्ट्रवाद या क्षेत्रवाद नहि अछि। इ ओ राजनीति अछि, जे वंशीलाल, ज्योति बसु आ चंद्राबाबू सन नेता करैत एलथि अछि।

भ्रष्टाचारक खिलाफ जंग कए एलान

देखबाक अछि जे नीतीश कुमार प्रेरणा आ संरक्षण क एहि कड़ी कए केना कटैत छथि !

सुरेंद्र किशोर

नीतीश कुमार अपन विकास यात्राक दौरान अपन राज्य मे बेकाबू भ चुकल भ्रष्टाचार कए देख स्तब्ध छथि। अपराधक मोरचा पर सफल भ चुकल अपन हथियार कए ओ

कोनो मुख्य मंत्री अपने सरकार क भ्रष्ट अफसर आ कर्मचारी क खिलाफ चौतरफा जंग क एलान करि द, त एकरा अजूबी गप मानल जाएत। बिहार मे इ अजूबी गप सेहो एहि दिन भ रहल अछि।

नीतीश कुमार चंपारण क गाम मे पांच राति बितेलाक बाद कर्पूरी ठाकुरक जयंती पर पटना मे आयोजित समारोह मे जनता स अपील करि देलाह जे ओ भ्रष्टाचार क खिलाफ हल्ला बाजि दथि। सरजमीन क फर्स्ट हैंड जानकारी ल कए लौटल मुख्यमंत्री कहलाह जे सरकार मे भ्रष्टाचार क खात्मा क बगैर विकास क लाभ आम जनता तक नहि पहुंच सकैत अछि। हम जतय-ततय स साधन जुटा कए ओकरा एहि गरीब राज्य क विकास कार्य मे खर्च करय चाहैत छी,मुदा भ्रष्टाचार मे ओ टका बीच मे लूटि लेल जाए, इ हम बर्दाश्त नहि कए सकैत छी। मुख्यमंत्री क इ टिप्पणी हुनकर पांच दिवसीय विकास यात्रा क उपलब्धि मानल मे कहला जे भ्रष्टाचार क खात्मा आब सरकार क मुख्य एजेंडा पर अछि। एकर बिना 'न्याय क संग विकास' क हुनकर लक्ष्य प्राप्त नहि कैल जा सकैत अछि।

मुख्य मंत्री त भ्रष्टाचार पर अपराध क जेकां काबू पेबा लेल कोशिश करताह। ओहिमे हुनका सफलता सेहो भेट सकैत अछि, जेना अपराध क मोर्चा पर भेट चुकल अछि। मुदा सवाल इ अछि जे भ्रष्ट अफसर आ कर्मचारी एतबा निर्भीक केना भ गेलथि जे हुनका एकटा एहन मुख्य मंत्री क सेहो कोनो परवाह नहि छैन जे सरकारी भ्रष्टाचार क खात्मा चाहैत छथि ? बिहार क निगरानी दस्ता पिछला तीन साल मे महा निदेशक स्तर क पुलिस अफसर आ कलक्टर स्तर क आईएएस अफसर कए सेहो भ्रष्टाचार क आरोप मे गिरफ्तार केलथि अछि। एकर बावजूद सरकारी दफ्तर मे गत तीन साल मे भ्रष्टाचार बढ़ल अछि।

बिहार सरकार मे भ्रष्टाचार कोनो नव गप नहि अछि। इ

जा रहल अछि।

मुख्यमंत्री क विकास यात्रा एहिदिस समाप्त भेल ओहि दिस मुजफ्फरपुर क डीएम आ एसपी गाम मे रात बिता समस्या सुलझाबैय लगलाह। अफसरक अहबा अछि जे गाम मे राति बितेबा स जनता क किछु एहन समस्या क सेहो पता चलैत अछि जेकर जानकारी दिन मे कनि काल लेल कोनो गाम जेबा पर नहि भेटि सकैत अछि। संभव अछि जे किछु अन्य जिला क अफसर सेहो आब गाम मे यदा-कदा राति बितेबाक परंपरा कए फेर स शुरू करताहं। अंग्रेज क जमाना स डीएम आ एसपी नियमित रूप स गाम मे राति बितबैत छलाह। जनता आ सरकार क बीच क संबंध कए अनौपचारिक बनेबाक लेल आब एकरा जरूरी मानल जा रहल अछि। नीतीश कुमार क चंपारण यात्रा कए इ सेहो एकटा असर देखल जा रहल अछि। खुद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सेहो इ कहैत छथि जे ओ अक्सर गाम मे आब राति बितेबाक प्रयास करताह। गाम मे सेहो यदा-कदा कैबिनेट क बैठक भेल करत। इ त शुरूआत छी, परिणाम नीक रहल।

एहि स पहिने ओ खुद सेहो राज्य भरि कए सरकारी दफ्तर मे पसरल भीषण भ्रष्टाचार क खिलाफ कुछ कारगर प्रशासनिक आ कानूनी कार्रवाइ करबाक मन बना रहल छथि। हुनकर ताजा टिप्पणी स इ संकेत भेटि रहल अछि। इ जानकारी त हुनका पहिने स छल जे राज्य सरकार क अफसर आ कर्मचारी मे व्यापक भ्रष्टाचार क कारण सरकारी विकास आ कल्याण योजनां क लाभ आम जनता तक नहि पहुंच पाबि रहल छैक । एहि लेल ओ कहला जे ओ आब भ्रष्टाचार क आरोप मे गिरफ्तार अफसर आ कर्मचारी क मुकदमा क सुनवाई त्वरित अदालत मे करेबाक व्यवस्था करौताह। संगहि ओ इ घोषणा सेहो केलथि जे घूसखोरी क आरोप मे सरकारी कर्मी कए पकड़वावे वाला कए पचास हजार टका तक क इनाम देल जाइत। यदि कोनो भ्रष्ट अफसर क पकड़े जाए पर पैघ मात्रा मे काला धन क पता चलल त ओहि राशि क दू प्रतिशत इनाम क रूप मे अलग स देल जाइत। नीतीश कुमार अपन दल क कार्यकर्त्ता स पहिने अपील क चुकल छथि जे ओ भ्रष्ट कए पकड़वा मे सरकार क मदद करथि। मुदा कोनो कार्यकर्त्ता आइ तक सामने नहि आयल अछि। आजुक राजनीति एहन भ चुकल अछि जे शायदे कोनो राजनीतिक कार्यकर्त्ता कए घूसखोर पर तामस होइत हैत।

> **भ्रष्टाचारक खिलाफ सेहो उपयोग करबाक मन बना चुकल छथि।**

एहि माहौल मे मुख्य मंत्री विकास यात्रा स लौटलाक बाद आम जनता स अपील केलथि जे ओ भ्रष्टाचार क खिलाफ जंग मे हुनकर मदद करथि। देखबाक अछि जे कतय स केतबा मदद भेटैत अछि। मुदा संकेत अछि जे राज्य सरकार त्वरित अदालत क गठन क लेल जल्द स जल्द पटना हाई कोर्ट स गुजारिश करत। अपराध स संबंधित मुकदमा क सुनवाई क लेल बिहार मे गठित त्वरित अदालत कमाल केलक अछि। गत तीन साल मे करीब २८ हजार अपराधी कए निचली अदालत स सजा भेट चुकल अछि। नतीजतन आब बिहार मे ‘जंगल राज’ नहि अछि आ अपराधी क आतंक समाप्त भ चुकल अछि। मुदा आब एकटा अन्य प्रकार क आतंकवादी यानी भ्रष्ट अफसर आ कर्मचारी निर्भीक भ कए सरकारी धन लूटि रहल छथि आ जनता कए कष्ट द रहल छथि । परिणामस्वरूप लाचार मुख्यमंत्री जनता स त्राहिमाम करबा लेल मजबूर भ गेलथि अछि।

आम लोक हुनकर विकास यात्रा क दौरान चंपारण मे मुख्य मंत्री कए बतेलक जे डकैत क भय त आब नहि अछि, मुदा भ्रष्ट अफसर डकैत क भांति गरीब जनता कए लूटि रहल छथि हैं। बिना घूस क सरकार क कोनो काज नहि भ रहल अछि। इ सुशासन नहि, बल्कि घूस-शासन अछि। खुद मुख्य मंत्री एहि स पहिने ओहिठामक ग्रामीण जनता स कहने छलाह जे अहां हमर या हमर सरकार क तारीफ नहि करू। एहि स कोनो लाभ नहि होइत। अहां अपन तकलीफ आ हमर सरकार क गलती कए बताउ, ताकि हमरा ओकरा सुधारबाक मौका भेटय। फेर कि छल, मुख्य मंत्री स जखन अभय दान भेटल, त ग्रामीण फटि पडल। फेर त स्थानीय अफसर आ जन प्रतिनिधि बगल झांके लगलाह आ ग्रामीण जनता अपन दुख-दर्द सुनाबे लगलाह। पांच दिन मुख्य मंत्री कए ऐतबे सुनबा मे भेटल। नीतीश कुमार देखलथि जे हुनकर भ्रष्ट अफसर आओर केतबा ताकतवर भ चुकल छथि जे हुनका ककरो कोनो परवाह नहि छैन ! ओ बाद भ्रष्टाचार त सब मानक मे बिहार कए देश क राज्य क सूची मे सबस निचल पायदान पर ठेल देलक अछि। जखनकि कहियो इ ‘बेस्ट गवर्नूड स्टेट’ यानी सर्वोत्तम शासित राज्य मानल जाइत छल। मुदा हाल क वर्षं मे हालत एतबा बिगड़ल जे बिहार क तत्कालीन राज्यपाल आरएस गवई सन् २००७ मे सार्वजनिक रूप स कहने छलाह जे एहि राज्य क विकास मे सरकारी भ्रष्टाचार सबस पैघ बाधक अछि। केंद्रीय ग्रामीण विकास सचिव एनसी सक्सेना ५ फरवरी, १९९८ कए बिहार क मुख्य सचिव बीपी वर्मा कए अपन एकटा नोट मे कहने छलाह जे ‘प्रखंड विकास पदाधिकारी स लेकए बहुत जिला समाहर्त्ता आ कखनो-कखनों किछु सचिव सेहो टका बनेबा मे या अपन राजनीतिक आका क लेल टका इकट्ठा करबा मे व्यस्त रहैत छथि। नौकरशाही क सर्वोच्च शिखर तक चूंकि भ्रष्टाचार बढ़ि रहल अछि, एहि लेल निचला तबका क अधिकारी क मन मे टका बनेबा क खिलाफ भय समाप्त भ चुकल अछि।’ नीतीश कुमार क सत्ता मे एलाक बाद लगल छल जे इ समाप्त भेल भय वापस आबि जाइत। मुदा, एहन नहि भ सकल।

इ किया भेल ? सवाल इ अछि जे एहन भ्रष्ट सरकारी मुला. जिम कए ताकत कतय स भेटि रहल अछि? दरअसल हुनका ताकत राजनीतिक कार्यपालिका आ जन प्रतिनिधि क आचरण स भेट रहल अछि, जाहि मे किछु अपवाद कए छोड़िकए भ्रष्टाचार हाल क वर्षं मे बेतहाशा बढ़ल अछि। एमपी-विधायक फंड मे जारी घूसखारी आ कमीशनखोरी अफसर आ कर्मचारी कए आओर बेखौफ आ निर्ल्लज बना देलक अछि। एहन जन प्रति. निधि क संख्या आब काफी कम अछि, जे अपन फंड क बदला मे ठेकेदार स कमीशन नहि लैत छथि। एमपी-विधायक फंड स भ रहल निर्माण कार्यं क कार्यान्वन आ पर्यवेक्षण वैह अफसर,ठेकेदार आ इंजीनियर करैत छथि जे राज्य क अन्य विकास कार्यं क काज करैत छथि। एहि तरहे ओ कमीशन खोर जन प्रतिनिधि क मौन संरक्षण आ प्रेरणा स बेखौफ भ चुकल छथि। वीरप्पा मोइली क नेतृत्व वाला प्रशासनिक सुधार आयोग एना हे एहि गपक सिफारिश नहि केने अछि जे एमपी-विधायक फंड कए समाप्त कए देल जाए। देखबाक अछि जे नीतीश कुमार प्रेरणा आ संरक्षण क एहि कड़ी कए केना कटैत छथि !

अंक-23, साल-2, रजिस्ट्रेशन- आवेदित, स्नेह-छवि मिथिला स्कूल ऑफ आर्ट क लेल संपादक डाट वर्डप्रेस डाट काम स इंटरनेट संस्करण प्रकाशित. प्रधान समदिया : छवि झा, प्रबंध समदिया : पुतुल सिंह
समदिया : कुमुद सिंह*, समाचार समदिया : प्रीतिलता मल्लिक, समदिया(दिल्ली) : सरिता सुमन, समदिया (नेपाल): ममता शंकर e_mail: esamaad@gmail.com (*खबरक चयनक लेल जिम्मेदार)